सीएसआईआर की तकनीक जोबनेर कृषि विवि किसानों तक पहुंचाएगा, एमओयू हुआ

भास्कर न्यूज़ | पिलानी

पिलानी. समझौते के साथ दोनों संस्थानों के अधिकारी।

सीएसआईआर-सीरी पिलानी व श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने गुरुवार को कृषि संबंधी यंत्रों के साथ नई प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए मिलकर कार्य करने का निर्णय लेते हुए समझौते किया है। सीरी के निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया व कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलपति प्रो. जेएस संधू ने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। डॉ. पंचारिया ने बताया कि दोनों संस्थानों ने अपने-अपने अनुसंधान कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों को लाभान्वित किया है। सीरी संस्थान ने दूध में मिलावट और दूध के पोषक तत्वों का पता लगाने के लिए तकनीकों का विकास किया है। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से इन इलेक्ट्रॉनिक तकनीकों के उपयोग और लाभ की जानकारी से किसानों को अवगत कराया जाएगा। कृषि क्षेत्र में काम आने वाले उपकरणों और मशीनों की मरम्मत भी स्थानीय स्तर पर करने के लिए दोनों संस्थान मिलकर प्रशिक्षण संबंधी कार्य योजना तैयार करेंगे। जहां एक और किसान लाभान्वित होंगे वहीं ग्रामीण युवकों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने और किसानों की शहरों पर निर्भरता कम करने के लिए भी कार्य योजना तैयार की जाएगी। सीरी निदेशक डॉ. पंचारिया ने बताया कि सीरी ने पूर्व में मत्स्य पालन उद्योग को लाभान्वित करने के लिए स्मार्ट बोट, चाय उद्योग के लिए इलेक्ट्रॉनिक विदरिंग प्रणाली, चीनी उद्योग के लिए स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम आदि शामिल हैं। सीरी जयपुर केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. साईं कृष्णा वडाडी और कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक निदेशक डॉ. एनके गुप्ता के अलावा दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।